

चेलिका स्त्री. (तद्.) 1. रेशमी कपड़ा 2. चोली, अंगिया।

चेली स्त्री. (तद्.) शिष्या।

चेलुक पुं. (तत्.) एक प्रकार के बौद्धभिक्षु।

चेवी स्त्री. (तत्.) एक रागिनी का नाम।

चेष्ट पुं. (तत्.) 1. अंगों की गति, भाव भंगी 2. क्रिया।

चेष्टक वि. (तत्.) 1. चेष्टा करने वाला पुं. एक रतिबंध।

चेष्टन पुं. (तत्.) चेष्टा करना।

चेष्टा स्त्री. (तत्.) 1. गति, हरकत, क्रियासाधक कायिक व्यापार 2. शरीर के अंगों की गति जिससे मन का भाव प्रकट हो 3. नायक या नायिका का प्रयत्न, जो प्रेम प्रकट करने के लिए हो 4. उद्योग, प्रयत्न, कोशिश 5. कार्य 6. श्रम, परिश्रम 7. इच्छा, कामना 8. मुँह की आकृति जिससे मानसिक स्थिति प्रकट होती है।

चेष्टा नाश पुं. (तत्.) सृष्टि का अंत, प्रलय, गतिहीन होना।

चेष्टा बल पुं. (तत्.) ज्यो. ग्रह का स्थिति विशेष में अधिक बलवान हो जाना।

चेष्टित वि. (तत्.) चेष्टा युक्त, सचेष्ट।

चेस पुं. (अं.) 1. शतरंज 2. लोहे का फ्रेम जिसमें कंपोज किए हुए टाइप छापने के लिए रखे जाते हैं।

चेस्टर स्त्री. (अं.) बड़ा और लंबा कोट।

चेहरई स्त्री. (देश.) 1. चित्रकला में मूर्ति की बनावट 2. चेहरे में रंग भरना 3. वह छड़ी जिस पर चेहरा बना हो।

चेहरा पुं. (फा.) 1. सिर का सामने का माथे से ठुड़ी तक का भाग, मुखमंडल, वदन मुहा. चेहरा उतरना- उदासी, प्रफुल्लता न रहना; चेहरा जर्द होना- चेहरा सूखना; चेहरा तमतमाना- चेहरा लाल होना; चेहरा सफेद हो जाना- चेहरे की चमक गायब हो जाना; चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना- भय से चेहरे का रंग बदल जाना 2. कागज, मिट्टी या धातु आदि का बना हुआ किसी देवता, दानव या पशु आदि की आकृति बना साँचा जो

लीला या स्वांग आदि में स्वरूप बनने के लिए चेहरे के ऊपर पहना जाता है।

चेहलुम पुं. (फा.) 1. वह रस्म जो मुसलमानों में मुहर्रम के चालीसवें दिन होती है 2. मृत्यु का चालीसवाँ दिन।

चैकितान वि. (तत्.) चैकितान वंश में उत्पन्न।

चैत पुं. (तद्.) चैत्र मास, फाल्गुन के बाद और बैसाख से पहले का महीना।

चैतन्य पुं. (तत्.) 1. चित् स्वरूप आत्मा 2. ज्ञान टि. न्याय में ज्ञान और चैतन्य को एक ही माना है और उसे आत्मा का धर्म बतलाया है, परंतु सांख्य के मत से ज्ञान से चैतन्य भिन्न है 3. परमेश्वर 4. प्रकृति 5. वैष्णवों के एक संप्रदाय के प्रवर्तक कृष्ण चैतन्य, गौरांग महाप्रभु वि. 1. चेतना युक्त, सचेत 2. होशियार, सावधान।

चैतन्य भैरवी स्त्री. (तत्.) तांत्रिकों की एक भैरवी।

चैता पुं. (तद्.) एक पक्षी जिसका सिर काला, छाती चितकबरी और पीठ काली होती है।

चैती स्त्री. (तद्.) वह फसल जो चैत में काटी जाए, रबी।

चैत्य पुं. (तत्.) 1. मकान, घर 2. मंदिर, देवालय 3. यज्ञशाला 4. वृक्षों का समूह 5. बुद्ध 6. बुद्ध की मूर्ति 7. अश्वत्थ का पेड़ 8. बेल का पेड़ 9. बौद्ध भिक्षु 10. बौद्ध विहार 11. चिता 12. वल्मीक 13. समाधि मंदिर 14. चिंतन, विचार 15. राजमार्ग स्थित कोई वृक्ष।

चैत्यक पुं. (तत्.) 1. अश्वत्थ, पीपल 2. चैत्य का प्रधान अधिकारी।

चैत्य तरु पुं. (तत्.) 1. अश्वत्थ, पीपल।

चैत्य विहार पुं. (तत्.) 1. बौद्धों का मठ 2. जैनियों का मठ।

चैत्र पुं. (तत्.) 1. वह मास जिसकी पूर्णिमा को चित्रा नक्षत्र पड़े, संवत् का प्रथम मास, चैत 2. बौद्ध भिक्षुक 3. यज्ञ भूमि 4. देवालय, मंदिर 5. चैत्य।

चैत्र रथ पुं. (तत्.) चित्ररथ गंधर्व का बनाया हुआ कुबेर का उद्यान।